दूरस्थ शिक्षा कार्यक्रम में दिसम्बर 2016 के उपरांत प्रवेश प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों हेतु जानकारी :–
Information for students who got Admission in Distance Education program AFTER DECEMBER 2016 :-

सत्रीय कार्य हेतु प्रश्न

प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम – व्यक्तित्व परिष्कार

(01). प्रथम प्रश्नपत्र – रचनात्मक जीवन की कला (0101)

सत्रीय कार्य हेतु प्रश्न – निम्नलिखित दसों प्रश्नों के उत्तर लिखने हैं । प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 250 शब्दों में देना है । प्रत्येक प्रश्न 2 अंक का है ।

01. जीवन में समाहित श्रेष्ठता के लक्षणों पर प्रकाश डालें । इन लक्षणों को विकसित करने के लिए आप कौन सी विधियॉ अपनाते हैं ?
02. संयम साधना के महत्वपूर्ण सूत्रों पर प्रकाश डालें । आप अपने जीवन में संयम साधना कर पाने में कहॉ तक सफल हुए ? उदाहरण सहित समझाऍं ।
03. वह कौन सा आदर्श व्यक्ति है जिसने आपको प्रभावित किया है ? इस आदर्श के अनुरूप अपने आपको ढालने के लिए आप क्या उपाय कर रहे हैं ?
04. पारिवारिक पंचशील सिद्धान्त क्या हैं ? पारिवारिक समायोजन बनाए रखने के लिए आपके क्या सुझाव हैं ?
05. व्यावहारिक जीवन के छह विधेयात्मक बिंदुओं पर प्रकाश डालें ?
06. समय प्रबंधन में बाधक तत्वों को समझाते हुए इन्हें दूर करने के उपाय सुझाऍं ?
07. अपनी कल्पना शक्ति का अब तक आपने क्या रचनात्मक उपयोग किया है ? इस उपयोग की उपलब्धियों का वर्णन करें ।
08. व्यवहार कुशलता से आप क्या समझते हैं ? अपने साथ सद्व्यवहार के सूत्रो पर प्रकाश डालें ?
09. श्रेष्ठ विचारों का जीवन में क्या महत्व हैं ? विचार सुदृढ़ करने की विधियॉ बताऍं ।
10. भावना के किन रूपों को आपने अनुभव किया हैं ? अपनी भावनात्मक गुत्थियों को सुलझानें के लिए आपने क्या तकनीकें खोजी हैं ?

(02). द्वितीय प्रश्नपत्र – मानव जीवन की विकृतियाँ : निदान एवं समाधान (0102)

सत्रीय कार्य हेतु प्रश्न – निम्नलिखित दसों प्रश्नों के उत्तर लिखने हैं । प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 250 शब्दों में देना है । प्रत्येक प्रश्न 2 अंक का है ।

01. वर्तमान युग में अपने चिंतन, चरित्र एवं व्यवहार की उत्कृष्टता बनाए रखने के लिए आप कौन सी विधियॉ अपनाऍंगे ?
02. आलस्य मनुष्य की शारीरिक एवं मानसिक विकृति का आधार कहा जाता है । इस तथ्य की विवेचना करें ।

03. आज का युवा दिशाहीनता से ग्रस्त है । इसके कारण एवं निवारण हेतु सुझाव प्रस्तुत करें ।

04. आशावादी विचार क्या हैं ? स्वयं को आशावादी विचारों से घिरा रखने के लिए आप क्या करतें हैं ?

05. विचार दरिद्रता से ग्रस्त व्यक्ति की विचार प्रणाली कैसी होती हैं ? जीवन निर्माण के लिए किस प्रकार के विचारों को प्रश्रय दिया जाना चाहिए ?

06 संतुलित जीवन की विघातक प्रवृत्तियाँ कौन सी हैं तथा मानव जीवन में संतुलन का क्या स्थान हैं ?

07. दुर्व्यसन मानव शरीर को किस प्रकार नुकसान पहुँचाते हैं ? उदाहरण सहित समझाऍं ?

08. मानसिक तनाव के सकारात्मक व नकारात्मक पहलू स्पष्ट करें ?

09. आत्महीनता से आप क्या समझते हैं ? इससे मुक्ति के उपाय बताऍं ?

10. आत्मनिरीक्षण क्या हैं ? इसका आपके जीवन में क्या महत्व हैं ?

(03). तृतीय प्रश्नपत्र – आध्यात्मिक जीवन (0103)

सत्रीय कार्य हेतु प्रश्न – निम्नलिखित दसों प्रश्नों के उत्तर लिखने हैं । प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 250 शब्दों में देना है । प्रत्येक प्रश्न 2 अंक का है ।

01. अध्यात्म से आप क्या समझते हैं ? आपके जीवन में इसका क्या महत्व हैं ?

02. मानव जीवन की आध्यात्मिक संभावनाऍं क्या हैं ? आप अपने जीवन में कौन सी संभावना विकसित होती पाते हैं ?

03. आध्यात्मिक वातावरण मानव जीवन के विकास में किस प्रकार सहायक हैं ?

04. तप का आत्म उत्कर्ष में महत्व समझाते हुए तप की बारह रश्मियों की व्याख्या करें ।

05. अपने दैनिक जीवन में साधना के व्यावहारिक प्रयोगों को स्पष्ट कीजिए ?

06. गुरू का सान्निध्य किस प्रकार जीवन लक्ष्य की प्राप्ति में सहायक हैं ? उदाहरण सहित समझाऍं ?

07. शक्ति के आठ साधनों की सविस्तार चर्चा करें ?

08. उत्कृष्ट व्यवहार की विशेषताऍं बताऍं ?

09. निस्स्वार्थ कर्म के महत्व पर प्रकाश डालें । इस संदर्भ में अपने प्रयोग को भी स्पष्ट करें ।

10. निम्नलिखित बिंदुओं पर टिप्पणी लिखें –

(क) स्वामी विवेकानंद जी का भारतीय संस्कृति को योगदान ।

(ख) श्री मॉ के विचार

सत्रीय कार्य हेतु नियम एवं निर्देश :–

- प्रत्येक सैद्धांतिक प्रश्नपत्र हेतु एक सत्रीय कार्य (Assignment) बना कर जमा करना होगा ।
- सत्रीय कार्य के अन्तर्गत हल किए जाने वाले प्रश्न वेबसाइट पर दिए जाएंगे । यह विद्यार्थियों की जिम्मेदारी होगी कि वे वेबसाइट से सत्रीय कार्यो के प्रश्नों को प्राप्त करें ।
- प्रमाणपत्र पाठयक्रमों में प्रत्येक प्रश्नपत्र के सत्रीय कार्य में 10 प्रश्न होंगे । विद्यार्थी को इन दसों प्रश्नों के उत्तर लिखने होगें । प्रत्येक उत्तर लगभग 250 शब्दों का होना चाहिए । समस्त प्रश्न समान अंको के होंगे ।

- स्नातकोत्तर डिप्लोमा योग विज्ञान पाठ्यक्रम में प्रत्येक प्रश्नपत्र के सत्रीय कार्य में 4 प्रश्न होंगे । विद्यार्थी को इन चारों प्रश्नों के उत्तर लिखने होंगे । प्रत्येक उत्तर लगभग 400 शब्दों का होना चाहिए । समस्त प्रश्न समान अंको के होंगे ।
- सत्रीय कार्य लिखने के लिए ए – 4 साइज सादे सफेद कागजों का प्रयोग करना आवश्यक है ।
- सत्रीय कार्य के ऊपर प्लास्टिक का फाइल कवर नहीं लगाना हैं ।
- सत्रीय कार्य सिर्फ स्वलिखित (अपनी हस्तलिपि में) ही होना चाहिए । कम्प्यूटर द्वारा टाइप किया गया सत्रीय कार्य अथवा अन्य किसी प्रकार से तैयार किया गया सत्रीय कार्य निरस्त कर दिया जाएगा ।
- यदि यह पाया जाता है कि सत्रीय कार्य में एक दूसरे की नकल की गई है तो ऐसे समस्त सत्रीय कार्य निरस्त कर दिए जाएंगे ।
- विद्यार्थी प्रत्येक सैद्धांतिक प्रश्नपत्र के लिए एक सत्र में सिर्फ एक बार ही सत्रीय कार्य जमा कर सकता है । यदि विद्यार्थी एक से अधिक बार सत्रीय कार्य जमा करता है तो सबसे पहले जमा किया गया सत्रीय कार्य ही मान्य होगा ।
- प्रत्येक प्रश्नपत्र का सत्रीय कार्य अलग से बना कर जमा करना होगा । यदि विभिन्न प्रश्नपत्रों के सत्रीय कार्यो के प्रश्नों के उत्तर एक – के – बाद – एक लगातार लिख दिए गए हैं, तो ऐसे सत्रीय कार्यो को निरस्त कर दिया जाएगा ।
- प्रत्येक प्रश्नपत्र के सत्रीय कार्य के ऊपर फॉर्म क्रमांक 1 लगाना अनिवार्य है (यह फॉर्म वेबसाइट पर दिया गया है) । फॉर्म क्रमांक 1 में अन्य जानकारी के साथ – साथ उस प्रश्नपत्र का नाम एवं कोड भरे होने चाहिए जिसका यह सत्रीय कार्य है । फॉर्म क्रमांक 1 पर विद्यार्थी का वही हस्ताक्षर होना चाहिए जो उसने पाठ्यक्रम में प्रवेश के समय दिया था । यदि किसी सत्रीय कार्य के ऊपर फॉर्म क्रमांक 1 नहीं लगा होगा या उसमें वांछित समस्त जानकारी नहीं भरी गई होगी तो उस सत्रीय कार्य को निरस्त कर दिया जाएगा ।
- सत्रीय कार्य को रजिस्टर्ड डाक द्वारा अथवा स्वयं आकर दूरस्थ शिक्षा केन्द्र में जमा कराना होगा।
- प्रत्येक सत्र में सत्रीय कार्य जमा कराने की अंतिम तिथि दूरस्थ शिक्षा केंन्द्र की वेबसाइट पर उपलब्ध कराई जाएगी । यह विद्यार्थीयों की जिम्मेदारी है कि वे इस जानकारी को वेबसाइट से प्राप्त कर के अंतिम तिथि तक दूरस्थ शिक्षा केन्द्र में सत्रीय कार्य जमा करें । अंतिम तिथि तक सत्रीय कार्य दूरस्थ शिक्षा केन्द्र में जमा करना अनिवार्य है । अंतिम तिथि के उपरान्त प्राप्त सत्रीय कार्य निरस्त कर दिया जाएगा । अंतिम तिथि आगे बढ़ाने हेतु दिए गए किसी भी आवेदन पर विचार नहीं किया जाएगा । यदि कोई विद्यार्थी अंतिम तिथि आगे बढ़ाने हेतु अनावश्यक रूप से जोर देता है तो इसे अनुशासनहीनता माना जाएगा, एवं ऐसी स्थिति में विद्यार्थी पर अनुशासनात्मक कार्यवाही करने का अधिकार विश्वविद्यालय प्रशासन के पास सुरक्षित रहेगा ।
- किसी सैद्धांतिक प्रश्नपत्र का सत्रीय कार्य जमा न करने की स्थिति में, उस सत्र में, विद्यार्थी को उस प्रश्नपत्र की सत्रांत परीक्षा में सम्मिलित होने की अनुमति नहीं दी जाएगी । इस संदर्भ में दिए गए किसी भी आवेदन पर विचार नहीं किया जाएगा । इस संबंध में छूट उसी स्थिति में होगी जब कि किसी पूर्व सत्र में उस प्रश्नपत्र का सत्रीय कार्य जमा किया जा चुका हो, एवं उस सत्रीय कार्य में उत्तीर्ण होने हेतु वांछित 40 प्रतिशत अंक प्राप्त कर लिए गए हों ।
- सत्रीय कार्य के साथ एक ए – 4 साइज का लिफाफा जमा करना अनिवार्य है जिस पर विद्यार्थी का नाम एवं पूरा पता लिखा हुआ हो ।
- प्रत्येक सैद्धांतिक प्रश्नपत्र हेतु सत्रीय कार्य 20 अंकों का निर्धारित किया गया है । यह उस प्रश्नपत्र के पूर्णांक (100 अंक) का 20 प्रतिशत है ।
- विद्यार्थी को प्रत्येक सत्रीय कार्य में उत्तीर्ण होने हेतु 40 प्रतिशत अंक (8 अंक) प्राप्त करना अनिवार्य है ।

————000————